कक्षा 3

हिंदी

पाठ 13 पोंगल

पाठ 14 मुहावरे

पाठ - 13 पोंगल

I शब्दार्थ :-

1. हलचल - शोर - गुल
2. भोर - सुबह
3. मंद - मंद - धीरे - धीरे
4. स्वादिष्ट - बहुत स्वाद वाला
5. उनींदी - नींद से भरी
6. अर्पण - भेंट करना
7. प्रतियोगिता - मुकाबला
8. उमंग - जोश
9. आँगन - घर का अहाता
10. उष्मा - गरमी

II प्रश्नोत्तर :-

1. गाँव में सब खुश क्यों थे?
उ० पोंगल का त्योहार था, इसलिए गाँव में सब खुश थे।

2. सूर्य पोंगल में सूर्य देवता की पूजा क्यों की जाती है?
उ० सूर्य पोंगल में सूर्य देवता की पूजा इसलिए की जाती है क्योंकि हमारी फसलों को सूर्य देवता उष्मा और ऊर्जा देते हैं।

3. रमैय्या ने नए कपड़े क्यों पहने थे?
उ० पोंगल के दिन घर आने पर दादाजी ने सभी बच्चों को नए कपड़े पहनने को दिए इसलिए रमैय्या ने नए कपड़े पहने थे।

५. पोंगल के दिन 'इंद्र देवता' की पूजा क्यों करते हैं ?

उ० इंद्र देवता वर्षा के देवता हैं। खेतों में फसल तभी लहराएगी जब इंद्र देवता समय पर वर्षा करेंगे इसलिए पोंगल के पहले दिन 'इंद्र देवता' की पूजा करते हैं।

III निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर (✓) का निशान (BOOK-WORK)

१. क - ii ✓
ख - i ✓
ग - iii ✓

(व्याकरण) पाठ - 14 मुहावरे (COPY-WORK)

१. आँखों का तारा - बहुत प्यारा
२. कमर कसना - तैयार होना
३. कान भरना - चुगली करना
४. पीठ थपथपाना - शाबाशी देना
५. मुँह की खाना - हार जाना

(ख) पोंगल के पहले दिन 'इंद्र देवता' का पूजा

(ग) पोंगल के तीसरे दिन 'पशु-पूजा' क्यों की जाती है ?

(घ) अंत में लेखक को किस बात का अफ़सोस हुआ ?

मूल्यपरक प्रश्न

- त्योहार किस प्रकार लोगों को एकजुट करते हैं?

भाषा ज्ञान

भाषा कौशल–चयन एवं लेखन, समानार्थक शब्द, विराम-चिह्न, वाक्य-निर्

1. समानार्थक शब्द चुनकर लिखिए–

सूर्य माता वस्त्र प्रातः सुर बरसात

(क) सुबह – प्रातः

(ख) देवता – सुर

(ग) सूरज – सूर्य

(घ) वर्षा – बरसात

(ङ) कपड़ा – वस्त्र

(च) माँ – माता

2. विराम का अर्थ है–रुकना। विराम-चिह्न हमें बताते हैं कि कब थोड़ा रुकना है, अथवा कब पूर्ण रूप

विराम करना है।

कुछ प्रमुख विराम-चिह्न इस प्रकार हैं –

(क) पूरी तरह रुकना – पूर्ण विराम । – कवि कविता लिख रहा है।

(ख) थोड़ी देर रुकना – अल्प विराम , – फलवाला सेब, संतरे, केले आदि बेच रहा है।

(ग) प्रश्न पूछना – प्रश्नवाचक चिह्न ? – आप कब आए ?

निम्नलिखित वाक्यों में पूर्ण विराम, अल्प विराम या प्रश्नवाचक चिह्न लगाइए–

(क) आज गाँव में हलचल मची हुई है ।

(ख) माँ चावल, दूध और मक्खन से खीर तैयार करेंगी ।

(ग) क्या मैं भी जालीकट्टु में भाग ले सकता हूँ ?

(घ) पक्षी दाना चुग रहा है ।

(ङ) आसमान में बिजली चमकी, बादल गरजे और वर्षा होने लगी ।

(च) आप किससे मिलना चाहते हैं ?

3. उचित मिलान कर वाक्यों को पूरा कीजिए–

(क) सवेरे से ही — गाँव में हलचल मची हुई है। (क)

(ख) रमैय्या की — बातों की रेल नहीं रुकती। ख

(ग) हम सभी — एक-दूसरे का मुँह ताकने लगे। ग

(घ) पोंगल त्योहार के — अंतिम दिन पशु-पूजा होती है। घ

रचनात्मक गतिविधियाँ

कौशल, ज्ञानार्जन, कार्य-कारण, लिखित अभिव्यक्ति

ज़रा बताइए तो

- भाषा को सुंदर और प्रभावशाली कैसे बना सकते हैं?
- हम किसी बात को कितने तरीकों से कह सकते हैं?
- 'शाबाशी देने' के लिए कौन-सा मुहावरा आता है?

आइए, अब लिखें

पाठ-14 मुहावरे

1. चित्रों को देखिए और उनके नीचे सही मुहावरे लिखिए–

भीगी बिल्ली बनना

आसमान सिर पर उठाना

मुँह में पानी आना

उल्लू बनाना

आसमान छूना

पेट में चूहे दौड़ना

2. निम्नलिखित वाक्यों में मुहावरों के अर्थ दिए गए हैं। अर्थ के अनुसार सही मुहावरे लिखिए–

(क) शिक्षक की डाँट का रवि पर कोई असर नहीं हुआ।

कान पर जूँ न रेंगना

(ख) ताज़े फल देखकर संदीप ललचा गया।

मुँह में पानी आना

(ग) कक्षा में प्रथम आने पर सबने रिया को शाबाशी दी।

पीठ थपथपाना

(घ) टूटा हुआ फूलदान देखकर माँ बहुत क्रोधित हो गई।

लाल-पीला होना

(ङ) एक आदमी ने सेठ से धोखे से रुपये ले लिए।

पीठ में छुरा भोंकना

3. मुहावरों को उनके अर्थ से मिलाइए–

(क) कमर कसना	(*i*) चुगली करना
(ख) भीगी बिल्ली बनना	(*ii*) हार जाना
(ग) हवा से बातें करना	(*iii*) तैयार होना
(घ) कान भरना	(*iv*) बहुत तेज़ दौड़ना
(ङ) मुँह की खाना	(*v*) डर जाना

4. खाली स्थानों में उचित मुहावरे भरिए–

(क) आज खेल के मैदान में चेतन को सौरभ से मुँह की खानी पड़ी।

(ख) स्वाति अपने माता-पिता की आँखों का तारा है।

(ग) परीक्षा की तैयारी के लिए रतन ने कमर कस ली।

(घ) सुबह से कुछ नहीं खाया, इसलिए अब पेट में चूहे दौड़ रहे हैं।

(ङ) नए-नए करतब देखकर सबने दाँतों तले अंगुली दबा ली।

THANK
YOU